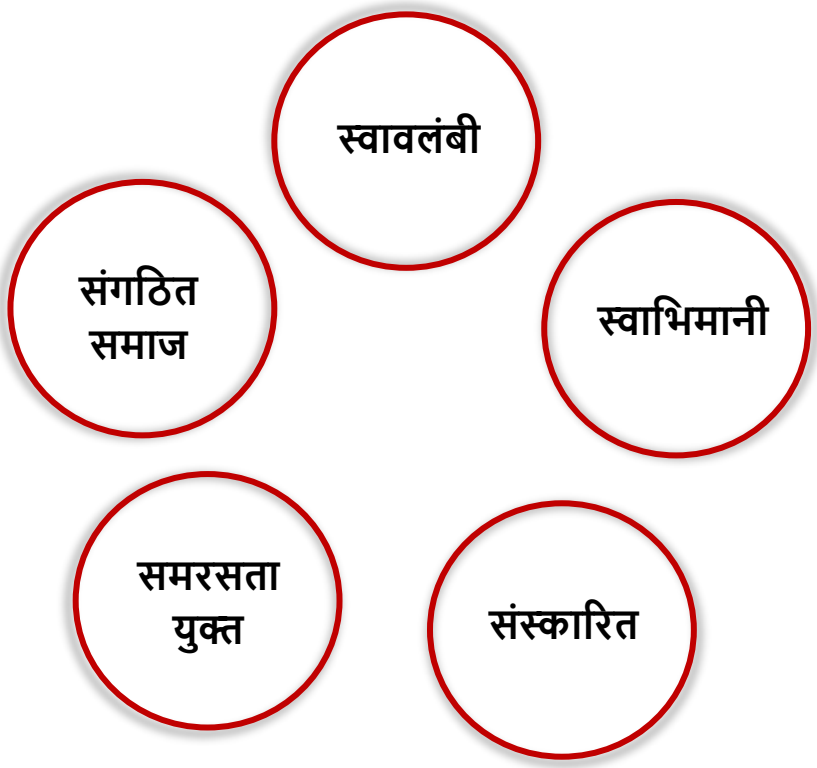

वैभवश्री

(स्वयं सहायता समूह)

राष्ट्रीय सेवा भारती

वैभवश्री
(स्वयं सहायता समूह, Self Help Group) योजना

अपने राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाना यही हम सभी का अंतिम ध्येय है। इस हेतु स्वावलंबी, स्वाभिमानी, संस्कारित, समरस युक्त एवं संगठित समाज का निर्माण अत्यंत ही आवश्यक है।वैभवश्री इसी उद्देश्य को सफल बनाने का एक मार्ग है| वैभवश्री, राष्ट्र को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सामाजिक एवं आर्थिक पक्ष से सतत बनाने का एक प्रयास है|

एक सस्कत समाज का निर्माण के लिए आर्थिक पक्ष के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों का समागम अत्यंत ही आवश्यक है | इन्ही बिंदु को ध्यान में रख कर संन २०१६ में राष्ट्रीय सेवा भारती के माध्यम से वैभव श्री की शुरुवात हुई|

भारत की जनसँख्या में महिलाओ का दर ५० % की है, राष्ट्र को परम वैभव में ले जाने के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है | वैभवश्री इन्हीं मातृशक्तियों को सशक्त राष्ट्र पूर्ण निर्माण का ध्येय में सम्मिलित करने का एक माध्यम है|

भारत के विभिन्न हिस्सों में शहर से ले कर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रांत सेवा संस्था के माध्यम से वैभवश्री (स्वयं सहायता समूह) का गठन करना एवं जो गठित समूह है उनको अपने विचारों से जोड़ने की योजना ले के अपने कार्य में अग्रसर हैं|

वैभवश्री केवल आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करने में केंद्रित नहीं है अपितु इसका उद्देश्य समूहों के माध्यम से समूह के सदस्यों के अन्दर आर्थिक पक्ष के साथ सामाजिक चेतना को जागृत करने का है| वैभवश्री समूहों के सदस्यों को समाज सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करती है और इस प्रयास से सम्पूर्ण भारतवर्ष में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्यों का उदाहरण देखने को मिलता है|

वैभवश्री का सबसे अनूठा कार्य पद्यति उसकी साप्ताहिक बैठक है| इस साप्ताहिक बैठक में हर एक सदस्यों को बैठक की अलग अलग जिम्मेवारी देना और क्रमशः हर एक सदस्यों के घर में ही बैठक का आयोजन करना इसकी की मुख्य विशेषता है|

वैभवश्री की बैठकों का मुख्य साध्य समूह के सदस्यों में परस्पर विश्वास एवं आत्मीयता स्थापित करना साथ ही उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना , निर्णय क्षमता को सुदृढ़ करना एवं सदस्यों के अंदर सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करना | इन बैठकों का उद्देश्य सदस्यों के बीच में 'मै के जगह हम' का भाव विकसित करना और ऐसे मानशिकता का निर्माण करना जहां समूह केवल सहायता लेने के लिए ही नहीं बल्कि आवश्यकता होने पर समाज को देने के लिए भी सक्षम हो|

वैभव श्री बैठक की कार्यवाही
समय सारणी

कुल ६० मिनट्स

अ॰क्र॰	विषय	समय (मिनिट में)	अभिप्राय
1	प्रार्थना	02	इतनी शक्ति हमे देना या अन्य स्थानिक गीत
2	स्वागत (सभी सदस्य बारी बारी से करें)	01	बैठक में उपस्थित सदस्यों का शब्द स्वागत
3	बैठक के अध्यक्ष का भाषण (हर बैठक की अध्यक्षता सभी सदस्य बारी बारी से करें)	03	अपने समूह के बारें में या अन्य विषय पर विचार रखें।
4	सदस्यों के विचारों की प्रस्तुति	05	अपने समूह के बारें में, सदस्यों की समस्या के बारेमे या अन्य विषय पर सदस्य गण अपने अपने विचार रखें।
5	समाचार समीक्षा (सामाजिक, सांस्कृतिक तथा रचनात्मक समाचारों को प्राथमिकता दें। सभी सदस्य बारी बारी से करें)	05	गत सप्ताह में समाचार पत्रिकाओं मे प्रकाशित प्रमुख समाचार पर चर्चा। जानकार व्यक्ति द्वारा
6	चिंतन, अनुभव, समस्याओं पर चर्चा (सभी सदस्य बारी बारी से करें)	15	परस्पर विश्वास, आत्मीयता और आत्मविश्वास बढ़ें; सामाजिक तथा राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित हो; ऐसे विषयों पर चिंतन
7	हिसाब की जानकारी	03	समूह की बचत, ऋण, व्याज आदि से आय, सदस्यों से बकाया राशि, बैंक में जमा आदि की जानकारी कोषाध्यक्ष दे।
8	ऋण की मांग पर विचार	03	ऋण के इच्छुक सदस्य अपनी मांग रखे, ऋण की राशि, हेतु आदि भी बताएं।
9	आर्थिक लेन देन (बचत राशि, ऋण वापसी, व्याज जमा करना, पास बूक,कैश बुक में लिखना)	15	कोषाध्यक्ष सदस्य से अपेक्षित राशि की जानकारी साथ रखें।
10	विशेष प्रस्ताव पारित करना (सभी सदस्य बारी बारी से करें)	04	सामाजिक उत्सव, उपक्रमों में सहभागिता, पीड़ितों को आर्थिक या अन्य सहायता,संबधित विषयों पर समूह का मत प्रदर्शन, आदि।
11	आभार प्रदर्शन (सभी सदस्य बारी बारी से करें)	01	अतिथि मार्गदर्शक, बैठक के अध्यक्ष तथा उपस्थित सदस्यों का आभार।
12	राष्ट्रीय प्रार्थना	03	संकल्प को दोहराना

वैभवश्री समूहों की विशेषताएं

१. समूह की नियमित साप्ताहिक बैठक |
२. आर्थिक लेन देन में अनुशासन का कड़ाई से पालन करना |
३. हर एक सदस्यों द्वारा दायित्व का निर्वाहन करना |
४. सामाजिक सेवा उपक्रमों, सेवाकार्य के बारे में चिंतन, उपक्रम,सेवाकार्य चलाना |
५. समूह की बैठक में राष्ट्रभाव जगाने वाले गीत, कथा, संकल्प, समाचार समीक्षा आदि का समावेश |
६. आर्थिक विकास के साथ व्यक्तित्व विकास करने वाली कार्यपद्धति |
७. सामाजिक परिवर्तन का माध्यम |
८. कुटीर उद्योग लगाना |
९. समूह का धन समूह में ही रखना ,(समूह में बनाया हुवा उत्पाद समूह के सदस्यों को खरीदना)
१०. साल में एक बार हिसाब का ऑडिट (Audit) करना |

संपर्क:

1.	Shri Gurusharan jee	9431104644
2.	Shri Sunder Lakshman jee	9443749595
3.	Smt Chandrika Jee	9422069455
4.	Shri N.P. Deo jee	9167336010
5.	Shri Shirish Patwardhan jee	9822675765
6.	Shri Rishav Sahay jee (Purv)	9934163576
7.	Shri Shenthil Jee (Dakshin)	9940630122
8.	Shri Nirupama Deshpandey jee (Paschim)	9545717614
9.	Shri Vinod Mohane jee (Madhaya)	9425345359
10.	Shri Ranvijay jee (Uttar)	9304642824

N.B. You can download Vaibhavshree Prashikshan from You Tube:
https://www.youtube.com/watch?v=mhRbGdCNZNw

Rashtriya Sewa Bharati
Basement, BD-37, Gali No-14
Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi - 110005
Website: https://www.rashtriyasewabharati.org
E-mail: sundarlakshman55@gmail.com ; rishavsahay@gmail.com